Roll No. : .....

Total No. of Questions : **11**] [Total No. of Printed Pages : **4**

APG–1067

M.A. (Previous) Examination, 2021

JAINOLOGY, JEEVAN VIGYAN AND YOGA

Paper - II

(Jain Metaphysics and Doctrine of Karma)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks :* ***100***

Section–A **(Marks : 2 × 10 = 20)**

Note :– Answer all *ten* questions (Answer limit **50** words). Each question carries **2** marks.

(खण्ड–अ) **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

Section–B **(Marks : 7 × 5 = 35)**

Note :– Answer all *five* questions. Each question has internal choice (Answer limit **200** words). Each question carries **7** marks.

(खण्ड–ब) **(अंक : 7 × 5 = 35)**

नोट :– सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न में विकल्प का चयन कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

Section–C **(Marks : 15 × 3 = 45)**

Note :– Answer any *three* questions out of five (Answer limit **500** words). Each question carries **15** marks.

(खण्ड–स) **(अंक : 15 × 3 = 45)**

नोट :– पाँच में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **15** अंक का है।

Section–A

(खण्ड–अ) 2 each

Unit–I

(इकाई–I)

1. (i) Define the Sat.
सत् को परिभाषित कीजिए।

(ii) What do you understand by Lok and Alok ?
लोक एवं आलोक से आप क्या समझते हैं ?

Unit–II

(इकाई–II)

(iii) Define the Substance and write its types.
द्रव्य को परिभाषित करते हुए द्रव्य के भेद लिखिए।

(iv) Explain the utility of Ākāśāstikāya.
आकाशास्तिकाय की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

Unit–III

(इकाई–III)

(v) Explain the Sadjīvanikaya.
षडजीवनिकायों को स्पष्ट कीजिए।

(vi) Define the Pudgala and write its types.
पुद्गल को परिभाषित करते हुए इसके भेद लिखिए।

Unit–IV

(इकाई–IV)

(vii) Write the characteristics and types of Jñānavarana Karma.
ज्ञानावरण कर्म का लक्षण और भेद लिखिए।

(viii) Write the nature and types of bond.
बंध का स्वरूप एवं भेद लिखिए।

Unit–V

(इकाई–V)

(ix) What is the remedy to get rid of the bondage of Karma ?
कर्मबंध से मुक्ति का उपाय क्या है ?

(x) What is meant by Spiritual Practice ?
आध्यात्मिक साधना से क्या तात्पर्य है ?

Section–B

(खण्ड–ब) 7 each

Unit–I

(इकाई–I)

2. Define the properties of quality of substance and discuss it.
गुण को परिभाषित करते हुए द्रव्य के गुणों की विवेचना कीजिए।

Or

(अथवा)

What is the Paryay ? Explain its types.
पर्याय किसे कहते है ? पर्याय के भेदों को समझाइए।

Unit–II

(इकाई–II)

3. Discuss Dharmastikaya and Adharmastikaya.
धर्मास्तिकाय और अधर्मास्तिकाय की विवेचना कीजिए।

Or

(अथवा)

Why is the Kāla substance not Astikāya? Explain.
काल द्रव्य अस्तिकाय को क्यों नहीं स्पष्ट करते हैं ? वर्णन कीजिए।

Unit–III

(इकाई–III)

4. Discuss the nature of Pudgalastikāya.
पुदगलास्तिकाय के स्वरूप की विवेचना कीजिए।

Or

(अथवा)

Explain the types of Sadjīvanikāy.
षडजीवनिकायों के भेदों को समझाइए।

Unit–IV

(इकाई–IV)

5. Discuss the process of Karmabandh.
कर्मबंध की प्रक्रिया का विवेचन कीजिए।

Or

(अथवा)

Explain the nature of Karma and its types.
कर्म का स्वरूप एवं कर्म के भेदों को समझाइए।

Unit–V

(इकाई–V)

6. Explain the utility of Karma Principle in peace of mind according to Jain Philosophy.
जैन दर्शन के अनुसार कर्म सिद्धान्त की मानसिक शांति में उपादेयता स्पष्ट कीजिए।

Or

(अथवा)

Explain the *ten* stages of Pudgalika Karma.
पौद्गलिक कर्म की **दस** अवस्थाओं को समझाइए।

Section–C

(खण्ड–स) 15 each

Unit–I

(इकाई–I)

7. Explaining substance, qualities and Paryay, discuss the Paryay.
द्रव्य-गुण एवं पर्याय को समझाते हुए पर्यायों की विवेचना कीजिए।

Unit–II

(इकाई–II)

8. Explain the importance of Jīvāstikāya out of six substance.
षडद्रव्यों में से जीवास्तिकाय की महत्ता को स्पष्ट कीजिए।

Unit–III

(इकाई–III)

9. Explain the nature of Atom and Skandh according to Jainism.
जैन दर्शन के अनुसार परमाणु और स्कन्ध के स्वरूप को समझाइए।

Unit–IV

(इकाई–IV)

10. Explain the process of liberation from Karma.
कर्म से मुक्ति की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए।

Unit–V

(इकाई–V)

11. Describe the nature of Gunasthana and their types in detail.
गुणस्थान का स्वरूप एवं भेदों की विस्तृत विवेचना कीजिए।